



चकमक

बाल विज्ञान पत्रिका • 272 • मई 2009

इस अंक में

- 2 पृथ्वी गोल है कि चपटी?
- 5 अखबार का अंगोछा
- 8 हनुमान और चिड़िया
- 14 तुम किस चक्की का आटा खाते हो?
- 16 गधे की हजामत
- 18 मेरा पन्ना
- 22 क्या बताएँ कि बैजामिन फ्रैंकलिन कौन थे?
- 24 डर
- 27 चित्र ऐसा हो कि बोल उठे
- 28 बाँसुरी नहीं बजती बजता है आदमी
- 30 मीठा कोल्हू
- 33 चमत्कारी पेड़/माथापच्ची
- 34 बहादुरशाह ज़फर का खत अपनी बेटी के नाम
- 36 चित्रपहेली



ये बुजुर्ग 10



रशीद ने मुन्नी का रिबन खींचा. वह मुर्गी की तरह चिल्लाई. “के...!” जानबूझकर हमीद के कनकोवे पर पर रखता हुआ वह ड्रॉइंग रूम में चला गया।

मिस्टर पार्किंस ने चश्मे में से मुझे देखा और हवा में सूँघते हुए से बोले, “मेरे ख्याल से यह टेस्ट तो तुमने पास कर लिया है।”

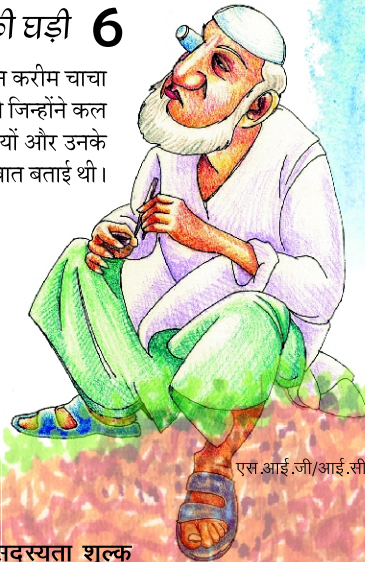
38



आवरण : मेलिंग मेल से साभार

अनारको की घड़ी 6

और यह सब उन करीम चाचा की करतूत थी जिन्होंने कल अनारको को घड़ियों और उनके उजों-पुजों की बात बताई थी।



21

बाघ दाईं तरफ हट गया। जैसे हमें साइड दे रहा हो। फिर वह रुका जैसे कह रहा हो कि मैंने तुम्हें साइड दे दिया है ना, अब जाओ।

एस.आई.जी./आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के वित्तीय सहयोग से प्रकाशित।

सम्पादन

सुशील शुक्ल
शशि सबलोक

सहायक सम्पादक
कविता तिवारी

सम्पादकीय सलाहकार
रेक्स डी रोज़ारियो
तेजी ग़ोबर

विज्ञान सलाहकार
सुशील जोशी

डिज़ाइन

दिलीप विंचालकर

वितरण

सुनीता सोनी

सहयोग

मिहिर

कमलेश यादव

सदस्यता शुल्क

एक प्रति: 20.00

वार्षिक: 200.00 (व्यक्तिगत)

300.00 (संस्थागत)

तीन साल: 500.00 (व्यक्तिगत)

700.00 (संस्थागत)

आजीवन: 3000.00 (व्यक्तिगत)

4000.00 (संस्थागत)

सभी डाक खर्च हम देंगे।
चन्दा (एकलव्य के नाम से बने) मनीऑर्डर/चैक से भेज सकते हैं। भोपाल के बाहर के चैक में 80.00 रुपए अतिरिक्त जोड़ें।

एकलव्य

ई-10, शंकर नगर, बीडीए कॉलोनी, शिवाजी नगर भोपाल, म.प्र. 462 016
फोन: (0755) 2671017, 2550976, 6549033
फैक्स: (0755) 2551108
chakmak@eklavya.in
circulation@eklavya.in
www.eklavya.in